पोषण अभियान
(POSHAN Abhiyan)

6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, किशोर व किशोरियों और महिलाओं में कुपोषण से निपटने कि लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनाँक 8 मार्च, 2018 को राज्य के झुन्झुनूं **पोषण अभियान** का शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रीय पोषण मिशन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोर व किशोरियों और महिलाओं को लक्षित करते हुये सम्पूर्ण राज्य में चलाया जा रहा है ।

❖ पोषण अभियान का लक्ष्य नाटापन (Stunting), दुबलापन (Easting), रक्तालपता (Anemia) (छोटे बच्चों, किशोर-किशोरियों एवं महिलाओं में) को निम्नानुसार कम करना हैः-

क्र.सं.	लक्ष्य सूचकांक	लक्ष्य
1	बच्चों (0-6 वर्ष) में ठिगनेपन को रोकना एवं कम करना।	2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से 6 प्रतिशत तक
2	बच्चों (0-6 वर्ष) में अल्पपोषण (कम वजन) को रोकना एवं कम करना।	2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से 6 प्रतिशत तक
3	छोटे बच्चों (0-59 माह) में रक्ताल्पता को कम करना।	3 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से 9 प्रतिशत तक
4	15-49 आयु वर्ग की महिलाओं तथा किशोरियों को रक्ताल्पता को कम करना।	3 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से 9 प्रतिशत तक
5	जन्म के समय कम वजन (LBW) को कम करना।	2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से 6 प्रतिशत तक

पोषण अभियान के घटक

❖ समुदाय आधारित कार्यक्रम (CBE) :

आंगनबाडी केन्द्र पर मुख्य रूप से 5 उत्सव यथा अन्नप्राशन दिवस, गर्भावस्था परामर्श दिवस, प्रवेशोत्सव दिवस, सुपोषण दिवस एवं जन-स्वास्थ्य संदेश दिवस मनाये जाते है। जिसके लाभार्थी निम्नानुसार हैः-

क्र.सं.	उत्सव का नाम	लाभार्थी
1	अन्नप्राशन दिवस	6 माह आयु पूर्ण कर चुके बच्चे एवं 4 से 9 माह आयु के बच्चों की मातायें।
2	गर्भावस्था परामर्श दिवस	3 से 4 माह की गर्भवती महिला एवं उसके पति व सास।

3	प्रवेशोत्सव	3 वर्ष की आयु के बच्चे
4	सुपोषण दिवस	गर्भवती महिला के पति एवं 2 वर्ष की आयु के बच्चे के पिता।
5	जन-स्वास्थ्य संदेष दिवस	स्मुदाय के सभी महिला, पुरूष अथवा जन-सामान्य।

उक्त दिवस माह में दो बार मनाये जाते है एवं प्रति गतिविधि रू. 250/- के अनुसार आंगनबाडी कार्यकर्ता के खाते में अग्रिम भुगतान के तौर पर हस्तान्तरित किये जाते है।

❖ सवंर्धित अभ्यास पद्धति (ILA)

- सवंर्धित अभ्यास पद्धति NNM से सम्बन्धित कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चरणबद्ध तरीके से आयोजित करना है। जिसके उद्देश्य निम्न हैः-
  - कार्य करके सीखने के जरिए वाले दृष्टिकोण के माध्यम से अग्रणी कार्यकर्ताओं के बीच कौशल और कौशल की प्राथमिकताओं को समझना।
  - समान दृष्टिकोण के माध्यम से पर्यवेक्षी संरचनाओं और कौशल को मजबूत करना।
  - आईसीडीएस और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में समन्वय स्थापित कर समान लक्ष्यों को प्राप्त करना।
- आंगनबाडी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनीयों के द्वारा टेकअवे टूल की सहायता से समुदाय को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

❖ परियोजना प्रबंधन, निगरानी और मूल्यांकन (ICT-RTM)

- ICT-RTM के तहत विभिन्न योजनाओं की निगरानी के लिए आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को मोबाइल फोन अपलोडेड कॉमन ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (CAS) के साथ वितरित किये जाते है।
- आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा CAS ऐप के माध्यम से प्रतिदिन ऑनलाईन रिपोर्टिंग की जा रही है, जिसकी राज्य स्तर, जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं सैक्टर स्तर पर डेश-बोर्ड के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

❖ जन आन्दोलन

- माननीय प्रधानमंत्री महोदय की यह अभिलाषा है कि पोषण मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक जन आन्दोलन का रूप दिया जाए। इस हेतु राज्यों को विभिन्न लाइन विभागों जैसे महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, पेयजल व स्वच्छता, ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, शिक्षा एवं खाद्य तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के मध्य अभिसरण किया जा रहा है।

- विभाग द्वारा पूर्व में आहार विविधीकरण, कुपोषण प्रबन्धन एवं जन समुदाय को जागरूक करने हेतु जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं आंगनबाडी केन्द्र स्तर पर पोषण मेला, पोषण संगोष्ठी, पोषण सम्बन्धी प्रतियोगिता एवं पोषण के लिए जागरूकता फैलाने के लिए पोषण रैलियों का आयोजन किया गया।
- जन आन्दोलन को प्रभावी तरीके से व्यापक बनाने के लिए विभिन्न सामुदायिक सदस्यों जैसे विद्यालयों के अध्यापक, जन-प्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य एवं समेकित बाल विकास सेवाऐं के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूह, एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स, स्काउट गाईड्स आदि के स्वयंसेवकों को भी शामिल किया गया है । सूचना को प्रभावशाली बनाये जाने हेतु क्षेत्रीय भाषा का उपयोग किया जा रहा है।